

प्रेस विज्ञप्ति

जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने किया जामिया के समाज कार्य विभाग का दौरा

एप्लाइड साइंसेज विश्वविद्यालय, एरफर्ट, जर्मनी से प्रोफेसर क्रिस्टीन रेहक्लाउ के साथ 11 छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक विनिमय कार्यक्रम के लिए एमओयू के तहत 26 फरवरी से 6 मार्च 2024 के दौरान समाज कार्य विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया का दौरा किया। एमओयू के अनुसार, प्रत्येक विश्वविद्यालय से 10 सामाजिक कार्य छात्रों और दो शिक्षकों की एक टीम 10 दिनों की अवधि के लिए दूसरे विश्वविद्यालय का दौरा करती है, और मेजबान विश्वविद्यालय उन्हें मेजबान देश में समाज कार्य प्रथाओं की ओर उन्मुख करने के लिए कार्यक्रमों की व्यवस्था करता है।

कार्यक्रम की शुरुआत समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर नीलम सुखरामनी द्वारा विश्वविद्यालय और विभाग के औपचारिक परिचय के साथ हुई। इसके बाद कार्यवाहक कुलपति प्रो. इकबाल हुसैन के साथ उनकी बातचीत हुई जहां उन्होंने प्रतिनिधियों को संबोधित किया और उन्हें परिसर में सुरक्षित और सुखद प्रवास का आश्वासन दिया। उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और समाज कार्य विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम के विभिन्न घटकों की सराहना की।

इसके बाद टीम को डॉ. जाकिर हुसैन लाइब्रेरी सहित परिसर का दौरा करने के लिए ले जाया गया, जहां श्री जोहान मीर ने उन्हें छात्रों के लिए लाइब्रेरी में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। मेहमान टीम के लिए अभिलेख विशेष रुचिकर थे।

अगले 9 दिनों में प्रतिनिधियों के लिए डिज़ाइन किए गए विभिन्न कार्यक्रमों में शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ताओं द्वारा सत्र, विभिन्न क्षेत्रों में हस्तक्षेप करने वाले विभिन्न समाज कार्य संगठनों के क्षेत्र दौरे, ऐतिहासिक स्थानों, स्मारकों और बाजारों की यात्रा के साथ-साथ किशनगढ़ में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के माध्यम से ग्रामीण प्रदर्शन शामिल हैं।

उनके लिए आयोजित सत्रों में: डॉ. रश्मी जैन द्वारा भारत में सामाजिक कार्य पेशे का संदर्भ और अभ्यास; श्री नवल किशोर गुप्ता द्वारा समाज कार्य अभ्यास के साधन (जीओ/एनजीओ/सीएसआर); प्रोफेसर रवीन्द्र रमेश पाटिल द्वारा 'भारतीय संविधान के नजरिए से विविधता और समावेशन'; भारत में बुजुर्गों की स्थिति, प्रोफेसर उशविंदर कौर पोपली द्वारा; भिक्षावृत्ति और संबंधित मुद्दे, प्रोफेसर वाणी नरूला द्वारा; भारतीय शिक्षा प्रणाली में समकालीन परिवर्तन, श्री मिन्हाज अकरम द्वारा अन्य शामिल थे।

शक्ति शालिनी (लैंगिक/यौन हिंसा के क्षेत्र में काम करने वाली); बटरफ्लाई (बाल अधिकारों के क्षेत्र में कार्यरत); SPYM (मादक द्रव्यों के सेवन के क्षेत्र में कार्य करना); और होप प्रोजेक्ट (समुदाय-आधारित हस्तक्षेप के क्षेत्र में काम करना) जैसी समाज कार्य एजेंसियों के लिए संगठन के दौरों की व्यवस्था की गई।

इनके अलावा, ऐसे स्लॉट भी आवंटित किए गए थे जब जर्मनी के छात्र समाज कार्य की चल रही किसी भी कक्षा में जा सकते थे और विभाग में कक्षा शिक्षण का अनुभव कर सकते थे। उन्हें भारतीय छात्रों के साथ समवर्ती फील्डवर्क अभ्यास का अनुभव करने के लिए एक दिन के लिए भी भेजा गया था। जर्मनी के प्रत्येक छात्र को अपने परिवार में एक भारतीय छात्र के साथ रहने, भारतीय परिवार प्रणाली का अनुभव करने और भारतीय संस्कृति को अधिक करीब से समझने का मौका दिया गया।

उनके लिए आयोजित अनूठे कार्यक्रमों में से एक राजधानी शहर में बेघर लोगों की स्थिति का पता लगाने के लिए नाइट-वॉक था। दिल्ली शहरी आश्रय बोर्ड, भारत सरकार के श्री इंदु प्रकाश सिंह के मार्गदर्शन में छात्रों को रात में दिल्ली के भ्रमण के लिए ले जाया गया। यह दौरा आधी रात तक चला। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में अंतिम दिन एक औपचारिक प्रतिबिंब और प्रतिक्रिया सत्र आयोजित किया गया, जिसके बाद सांस्कृतिक मिश्रण हुआ, जहां भारतीय और जर्मन दोनों छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

जामिया के समाज कार्य विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हबीबुल रहमान वीएम और डॉ. रश्मी जैन ने इस वर्ष कार्यक्रम का समन्वय किया।

जनसंपर्क कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया